सांध्य दैनिक

4PM

जब आप किसी काम की शुरुआत करें, तो असफलता से मत डरें और उस काम को न छोड़ें। जो लोग इमानदारी से काम करते हैं वो सबसे प्रसन्न होते हैं।
-चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 150 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 5 जुलाई, 2024

हिमाचल के सीएम को ताना देते... 7 | सियासी दलों की दिशा तय करेंगे... 3 | स्वास्थ्य विभाग के मंत्री अपना... 2

हाथरस हादसे के पीड़ितों के साथ है पूरा विपक्ष : राहुल

घटना स्थल पहुंचकर नेता प्रतिपक्ष ने लोगों को बंधाया ढांढस

- बोले- मृतकों व घायलों को ज्यादा से ज्यादा मदद दी जाए
- पुलिस ने जांच तेज की, छह लोग गिरफ्तार
- सीजेआई को भेजी गई सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हाथरस हादसे के बाद जहां पुलिस सक्रिय होकर मामले की जांच में जुटी हैं वहीं सियासत भी तेज हो गई है। उधर पुलिस की एफआईआर में बाबा साकार हरि का नाम न होने से योगी सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। राजनीति गलियारों में 123 लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन है इस तरह कि बातें हो रही हैं। इस बीच नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी ने हाथरस पहुंचकर पीड़ितों के आंख के आंसू पोंछे। इस पर भाजपा ने पलटवार किया है। मंत्री बेबी रानी मौर्या ने कहा है कि राहुल गांधी खिझे हुए इसलिए ऐसे वैसे बयान दे रहे हैं। वहीं एसआईटी ने जांच रिपोर्ट सीएम योगी को सौंप दी है।

उत्तर प्रदेश के हाथरस में सत्संग के दौरान मची भगदड़ का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। शीर्ष अदालत में जनहित याचिका दायर कर मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में घटना की जांच करवाई जाए। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार (5 जुलाई) को इस याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग को लेकर मेंशन किया गया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को अवगत करवाया जाए। अदालत के निर्देश के बाद याचिकाकार्ता ने मुख्य न्यायाधीश को भी जल्द सुनवाई की मांग को लेकर मेल भेज दिया है। इस मेल में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में पांच सदस्यों वाली कमिटी का गठन किया जाए, जो हाथरस हादसे की जांच करे। भविष्य में इस तरह की सार्वजनिक सभाओं और बड़ी संख्या में लोगों के इकट्ठा होने वाले कार्यक्रमों में ऐसी दुर्घटना से बचने के लिए गाइडलाइंस बनाने के लिए मुख्य न्यायाधीश से निर्देश देने की मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश को भेजे गए मेल में आगे कहा गया है कि प्रदेश सरकार को हाथरस हादसे पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया जाए। उन सभी व्यक्तियों और अधिकारियों पर कानूनी कार्रवाई की जाए, जिन्होंने लापरवाही बरती है। याचिका में यह भी कहा गया है कि भविष्य में भी इस तरीके के आयोजनों में इस तरह की घटना ना घटे इसको लेकर भी नियम बनाया जाए।

पीड़ितों को गले लगाकर राहुल ने पोछे आंसू

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शुक्रवार को हाथरस की भगदड़ में जान गंवाने वाले पीड़ितों के घर पहुंचे। यहां उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। दिल्ली से सड़क मार्ग द्वारा राहुल गांधी सुबह–सुबह अलीगढ़ के पिलखना पहुंचे। यहां वह हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मिले। इसके बाद वह हाथरस में नवीपुर खुर्द, विभव नगर स्थित ग्रीन पार्क पहुंचेंगे, जहां वह आशा देवी, मुन्नी देवी आ ओमवती के परिवार वालों से मिले।

दुखद हादसा है पीड़ितों को जल्द मुआवजा बांटा जाए : राहुल

दुर्घटना के शोक संतप्त परिवारों से मिलने के बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, यह दुखद हादसा है। बहुत परिवारों को नुकसान हुआ है। काफी लोगों की मृत्यु हुई है। प्रशासन की कमी तो है और भी गलतियां हुई हैं। पीड़ित परिवारों को सही मुआवजा मिलना चाहिए। मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से विनती करता हूं कि दिल खोलकर मुआवजा दें। मुआवजा जल्दी से जल्दी देना चाहिए। परिवारवालों से मेरी बातचीत हुई है। अलीगढ़ के थाना अकराबाद क्षेत्र के गांव पिलखाना में शुक्रवार प्रात कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पहुंचकर हाथरस सत्संग हादसे के मृतक मंजू उसके छह वर्ष के बेटे पंकज अन्य परिवार की शांति देवी व प्रेमवती के पीड़ित परिजनों को सांत्वना दी। घटना को दुखद बताते हुए पीड़ित परिजनों से घटना के बारे में जानकारी करने के साथ मृतक मंजू की सास को राहुल गांधी ने आश्वस्त किया कि वह अपने स्तर से हर संभव उनकी मदद करेंगे और कहा कि अब वह इस स्तर पर है कि पीड़ित परिवारों की लड़ाई लड़ने के साथ उनकी सरकार द्वारा हर संभव मदद करायेंगे।

हाथरस कांड की जांच करने जल्द जाएगा न्यायिक आयोग

हाथरस कांड की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग की पहली बैठक बृहस्पतिवार को हुई, जिसमें जल्द हाथरस जाकर जांच शुरू करने का निर्णय लिया गया। डालीबाग स्थित नैमिषारण्य राज्य अतिथि गृह में हुई बैठक में आयोग के अध्यक्ष एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बृजेश कुमार श्रीवास्तव के अलावा सदस्य के रूप में नामित सेवानिवृत्त आईपीएस भवेश कुमार सिंह, आईजी कानून-व्यवस्था एलआर कुमार और प्रमुख सचिव संसदीय कार्य जेपी सिंह ने हिस्सा लिया। बैठक संपन्न होने के बाद आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि इस हादसे की जांच किस तरह शुरू करनी है, इस पर विस्तार से चर्चा की गयी। पहली बैठक में जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद दो दिन के भीतर हाथरस जाकर जांच शुरू करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि अभी आयोग को घटना से संबंधित दस्तावेज नहीं मिले हैं। आयोग दस्तावेज मिलने के बाद हाथरस जाकर स्थानीय अधिकारियों, मृतकों के परिजनों आदि का बयान दर्ज करेगा। आवश्यकता पड़ने पर मीडिया की मदद भी ली जाएगी। सूत्रों की मानें तो राज्य सरकार द्वारा आयोग को जल्द लखनऊ और हाथरस में कैंप कार्यालय, वाहन और अन्य संसाधन भी मुहैया कराया जाएगा।

छह सेवादार गिरफ्तार, मुख्य सेवादार पर एक लाख रुपये का इनाम

हाथरस भगदड़ मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। अब तक इस घटना में आयोजन समिति से जुड़े छह सेवादारों को गिरफ्तार किया गया। वहीं इस घटना के मुख्य आयोजक-मुख्य सेवादार की गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई है। गिरफ्तार लोगों में उपेंद्र, मंजू यादव, मुकेश कुमार शामिल हैं। घटना पर अलीगढ़ के आईजी शलभ माथुर ने कहा कि जोन स्तर पर सभी जिलों में एसओजी की टीमों को आरोपियों को चिह्नित व गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है। साथ ही मौके से मिले साक्ष्यों को विवेचना का हिस्सा बनाया जा रहा है। गिरफ्तार लोगों ने बताया है कि बाबा के चरण रज लेने से काफी कष्ट दूर हो जाते हैं। गिरफ्तार लोगों ने बताया कि सेवादार के रूप में कार्य करते हैं, समिति के अध्यक्ष व सदस्य हैं। विवेचना में अगर बाबा का नाम आता है तो उस बिंदु पर कारवाई होगी। जरूरत पड़ने पर बाबा से पूछताछ की जाएगी। आईजी ने बताया कि सभी शवों की पहचान हो गई है और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी हो गई है।

सीएम योगी को सौंपी गई 15 पन्नों की एसआईटी रिपोर्ट

हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मामले को लेकर एसआईटी की रिपोर्ट आ गई है। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शुक्रवार सुबह सीएम योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पहुंचे और मुख्यमंत्री से मिलकर एसआईटी की 15 पेजों की रिपोर्ट सौंप दी हैं। सीएम योगी ने 24 घंटे में इस रिपोर्ट को पेश करने के निर्देश दिए थे। एडीजी आगरा और अलीगढ़ कमिश्नर के नेतृत्व में एसआईटी की ये रिपोर्ट तैयार की गई है, 15 पेजों की इस विस्तृत रिपोर्ट में डीएम और एसपी समेत करीब 100 लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं, एसआईटी की टीम ने पूरे हादसे की वजह और इतनी भीड़ को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर आयोजन से जुड़े लोगों और सेवादारों से भी बात की और तमाम जानकारी जुटाई है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने डीजीपी प्रशांत कुमार से हाथरस मामले पर पूरी जानकारी ली, सूत्रों के मुताबिक इस रिपोर्ट में कुछ राजनैतिक लोगों के नामों का भी जिक्र हैं, जिनके चुनाव में बाबा की भूमिका अहम रही है।

एफआईआर में बाबा का नाम न होने पर एडवा नाराज

अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति (एडवा) ने हाथरस हादसे में 121 मौतों पर गहरा दुख जताया। वहीं, हादसे की एफआईआर में बाबा का नाम न होने पर नाराजगी जताई है। एडवा की सीमा कटियार, सुमन सिंह, मधु गर्ग व वंदना राय ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर कहा कि हाथरस हादसे में हुई मौतों के लिए प्रशासन की अव्यवस्था जिम्मेदार है। प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए उचित इंतजाम नहीं किए थे। भोले बाबा जैसे स्वयंभू बाबा जो भोले-भाले लोगों की भावनाओं व विश्वास से खेलते हैं, वो भी इन मौतों के लिए जिम्मेदार हैं। बाबा लगातार जनता में अंधविश्वास फैलाता रहा और धर्म की आड़ में भ्रमित करता रहा लेकिन सरकार ने नोटिस नहीं किया। हैरानी की बात है कि एफआईआर में बाबा का नाम नहीं है। उन्होंने सरकार से हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

स्वास्थ्य विभाग के मंत्री अपना 'पॉलिटिकल स्वास्थ्य' बेहतर करने में लगे हैं: अखिलेश

» सपा मुखिया बोले- पाठक खुद बनना चाहते हैं मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाथरस भगदड़ हादसे पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक का नाम लिए बगैर कहा कि स्वास्थ्य विभाग के मंत्री जब अपना 'पॉलिटिकल स्वास्थ्य' बेहतर करने में लगे रहेंगे तो विभाग कौन देखेगा। उन्होंने कहा कि दरअसल स्वास्थ्य विभाग के मंत्री चाहते हैं कि मुख्यमंत्री हट जाएं और वह मुख्यमंत्री बन जाएं। तंज कसते हुए कहा कि सीएम ये बात जानते हैं कि वह मेरे पीछे पड़े हुए हैं इसीलिए विभाग को बजट नहीं दे रहे हैं।

बृहस्पतिवार को बसपा के पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान के सपा में शामिल होने के अवसर पर पत्रकारों से अखिलेश यादव ने स्वास्थ्य मंत्री पर जमकर सियासी हमला बोला। आरोप लगाया कि यूपी में स्वास्थ्य सेवाएं खराब हो चुकी हैं। इमरजेंसी में भी इलाज नहीं मिलता है। फिर बोले, पता नहीं मंत्री जी कौन सी 'पालिटिकिल विटामिन' चाहते हैं। ये भी नहीं मालूम कि ऐसी कौन सी कटौती की जा रही है कि विभाग नहीं चल पा रहा है।इस हादसे को बहस का मुद्दा न बनाने का अनुरोध करते हुए अखिलेश ने दुख जताया कि बड़े पैमाने पर गरीबों, महिलाओं व बच्चों की जान गई। सपा प्रमुख ने कहा कि ये कार्यक्रम कोई पहली बार नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा कि जब इस तरह के आयोजन होते हैं तो कई बार ज्यादा भीड़ आ जाती है। कई बार आयोजकों को भी पता नहीं होता कि कितने लोग शामिल हो जाएंगे।

हाथरस हादसे में किसी पर आरोप लगाने से कोई फायदा नहीं

हादसे को साजिश मानने से इनकार करते हुए अखिलेश ने सवाल किया कि जिम्मेदार अधिकारियों को पहले क्यों नहीं भेजा गया। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे सरकार और प्रशासन इसका ध्यान रखेंगे क्योंकि किसी पर आरोप लगाने से कोई फायदा नहीं होगा। सोशल मीडिया पर बाबा के साथ चलाई जा रहीं तस्वीरों पर उन्होंने भाजपा पर इसे फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अभी कम हारे हैं। अगली बार पूरी तरह से हार जाएंगे।

सरकार अपनी जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकती

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाथरस हादसे पर कहा कि सरकार अपनी जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकती है। हाथरस हादसा षडयंत्र नहीं है। इसे दबाने की कोशिश करना षडयंत्र है। हादसे में बड़ी संख्या में गरीब महिलाओं व बच्चों की जान गई है। सोशल मीडिया पर भाजपा वाले तस्वीरें वायरल कर रहे हैं। ऐसा करना उनकी पुरानी आदत है इसलिए ये लोग हारे हैं। आगे भी हारेंगे।

हेमंत के सीएम बनते ही इंडिया गठबंधन बना और ताकतवर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला है। चंपई सोरेन के इस्तीफे के बाद हेमंत सोरेन ने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। अब कांग्रेस नेता अजय कुमार का कहना है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता हेमंत सोरेन, इस वर्ष राज्य में होने वाले वाले विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन (इंडिया) का चेहरा होंगे।

झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन के बेटे हेमंत सोरेन ने गुरुवार को तीसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में की शपथ ली। कांग्रेस नेता अजय कुमार ने कहा कि हेमंत सोरेन को बिना किसी सबूत के पांच महीने तक जेल में रखा गया। इस वजह से दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों में नाराजगी है। जब अजय कुमार से सवाल किया गया कि क्या हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ने को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों के बीच सर्व सम्मति बन गई है? इसके जवाब में कांग्रेस नेता ने कहा कि इस मुद्दे पर शायद ही कोई मतभेद है।

मुझे गाली देना सबसे आसान है: चंद्रशेखर

» मायावती और आकाश आनंद पर बरसे नगीना सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नगीना। उत्तर प्रदेश स्थित नगीना लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती और पार्टी कोआर्डिनेटर आकाश आनंद को बड़ी चुनौती दी है। नगीना सांसद ने उन आरोपों को भी खारिज किया है जिसमें कहा जाता रहा है कि वह बसपा को कमजोर कर रहे हैं।

आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) नेता आजाद ने कहा कि मुझे गाली देना सबसे आसान है लेकिन मेरा जीवन संघर्षों से भरा हुआ है। मुझे छोटा आदमी कहना आसान है लेकिन मेरा जीवन कितना कठिन है, तमाम गरीबों की परेशानियां मैं खुद सुनता हूं, मैं भारत की राजनीति में अकेला आदमी हूं जिसने आज के समय में गोली खाई है, मैं हजारों मामलों में लोगों से मिला हूं, उन्होंने (आकाश आनंद) ने मुझे जो भी कहा हो उनका धन्यवाद, वह बहुत छोटे हैं, नए नए आए हैं, कांशीराम और बहन मायावती ने जब संघर्ष किया तो उन्हें अपमानित किया गया।

बसपा जमीन पर मूवमेंट करने से दूर हुई

बसपा को कमजोर करने के आरोप पर चंद्रशेखर ने कहा कि मैं तो सिर्फ 2 सीटों पर लड़ा था। बाकी 78 सीटों पर आपने क्या कमाल किया। बीएसपी के लोग कह रहे हैं कि मैं बांट रहा हूं, मैं जिस सीट पर लड़ रहा हूं वहां ये कहते हैं कि मैं वोट काट रहा हूं,,लेकिन बाकी पर आप क्या कर रहे हैं? बसपा के कमजोर होने के पीछे की वजह बताते हुए आजाद ने कहा कि कांशीराम के वक्त जमीन पर मूवमेंट था। लोगों की सुनवाई होती थी। अब शायद ऐसा नहीं हो रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में आजाद समाज पार्टी कांशीराम ने दो सीट नगीना और डुमरियागंज से चुनाव लड़ा था. इसमें से एक सीट पर जीत हासिल की थी।

योगी सरकार विफल हो गई: अजय राय

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- बाबा को बचाने का हो रहा प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने योगी सरकार पर आरोप लगाया है कि सरकार आरोपी बाबा को बचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच सिटिंग जज से कराई जाए। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय रॉय ने कहा कि हाथरस की घटना यूपी के जंगलराज का परिणाम है। घटना के दो घंटे बाद अफसरों को जानकारी मिली। एंबुलेंस सेवा तक घायलों को नहीं मिली। मैं खुद मौके पर पहुंचा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाद में पहुंचे। कुछ देर बाद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी पहुंचे। यह साबित करता है कि सरकार में खटपट है। यह सरकार की आंतरिक स्थिति का प्रमाण है।

वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीट को फिर से कराया जाय। यहां भी भ्रष्टाचार की वजह से बच्चों का भविष्य दांव पर लगा। उन्होंने कहा कि पुलिस भर्ती की परीक्षा गुजरात की कंपनी ने कराया है। परीक्षा करने वाली कंपनी ब्लैक लिस्ट हो चुकी है फिर नाम बदल लिया। कंपनी के डायरेक्टर को विदेश भागा दिया गया। कंपनी के डायरेक्टर विनीत आर्य का संबंध प्रधानमंत्री मोदी से है। यही वजह है कि उसे विदेश जाने दिया गया। मथुरा में टंकी बनाने वाली कंपनी भी गुजरात की है। अयोध्या का काम भी गुजराती कंपनी ने कराया है। भगवान राम के मंदिर में भी भ्रष्टाचार हुआ है। यह बात खुद वहां के मुख्य पुजारी ने कही है।

मृतकों के परिजनों को एक करोड़ की मदद की जाए

उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को एक करोड़ की मदद की जाए। मृतकों की सूची में भी गड़बड़ी है। उसे जांच कर ठीक किया जाए। कई लोगों के शव दूसरे जिले में भेज दिया गया। यह भी प्रशासन की नाकामी है। मुख्य आरोपी को बचाया जा रहा है। उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। अनुमति देने वालों के खिलाफ भी जांच होनी चाहिए। प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हो। उन्हें गिरफ्तार किया जाए।

राहुल के भाषण को कट कर चलाया गया

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राहुल गांधी ने सदन में कहा कि हिंदू हिंसक नहीं होता है। यह सही बात है। हम सभी जियो और जीने दो पर भरोसा करते हैं। राहुल गांधी के मुख्य भाषण को काट करके चलाया गया लेकिन भाजपा राहुल गांधी और कांग्रेस की आवाज दबा नहीं पाएगी। उन्होंने कहा कि वाराणसी में प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव जीतने के लिए रुपए बांटने से लेकर हर हथकंडा अपनाया लेकिन वाराणसी के लोगों ने कांग्रेस का साथ दिया। झूठ की राजनीति को नकार दिया।। नरेंद्र मोदी सबसे बड़ा झूठ बोलने वाले हिन्दू हैं।

वाराणसी में पुराने मंदिरों को तोड़ा

उन्होंने एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि वाराणसी में हिंदुओं के मंदिर जेसीबी से तोड़े जा रहे हैं। अक्षयवृक्ष तक को कटवा दिया है। पुराने मंदिरों को तोड़ दिया है। इसके बाद भी वह खुद को हिंदू कहते हैं। कई आठ सौ साल पुराना मंदिर भी तोड़े गए हैं।उन्होंने कहा कि जो लोग राहुल गांधी का विरोध कर रहे हैं उन्हें पहले इस पर जवाब देना चाहिए। सरकार को अनुप्रिया पटेल के चिट्ठी लिखने के मामले में कहा कि वह पिछड़ों दलितों को न्याय दिलाए। सरकार में हैं। चिट्ठी लिखने से क्या होगा।

मणिपुर में जारी संघर्ष को लेकर केंद्र सरकार चिंतित नहीं: इबोबी

» कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी पर किया प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। तीन बार मुख्यमंत्री रहे सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री अपने चुनाव प्रचार के लिए पड़ोसी राज्य असम में रात बिता सकते हैं लेकिन मणिपुर नहीं आना चाहते, जहां जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए और 60 हजार लोग बेघर हो गए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर राज्य में एक साल से अधिक समय से जारी जातीय हिंसा को लेकर चिंतित नहीं है। कांग्रेस विधायक दल के नेता ने कहा कि विपक्ष का इस स्थिति से राजनीतिक लाभ उठाने का कोई इरादा नहीं है लेकिन उन्हें बोलने के लिए मजबूर होना पड़ा। हम और 10 अन्य समान विचारधारा वाले राजनीतिक दल समाधान निकालने की कोशिश में जुटे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''कानून-व्यवस्था और जान-माल की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है...लोग जानते हैं कि सरकार अपने कर्तव्यों का पालन कर रही है या नहीं। सरकारी तंत्र पूरी तरह विफल हो चुका है। सिंह ने कहा कि अगर राज्य सरकार ने अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन किया होता तो कोई भी राजनीतिक दल उसकी आलोचना नहीं करता।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

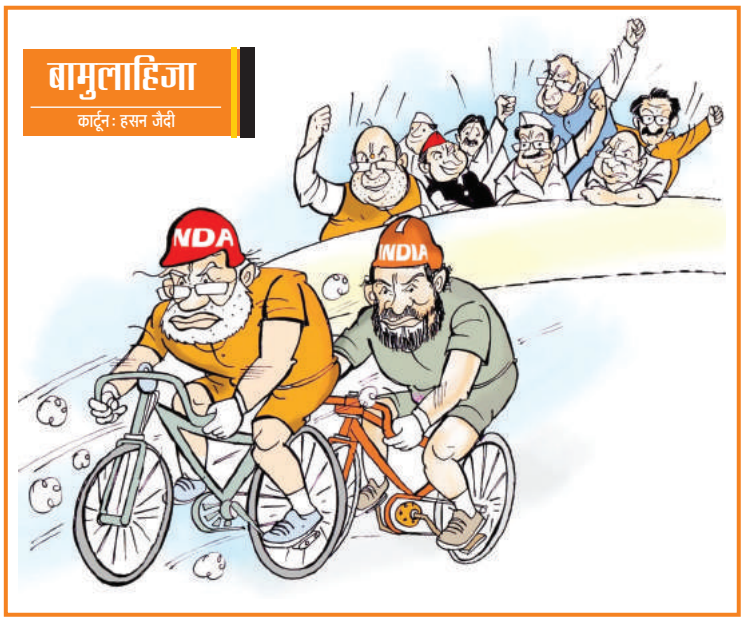

सियासी दलों की दिशा तय करेंगे 'उपचुनाव'

सपा पूरे जोश में, बसपा भी करेगी जोर आजमाइश

- यूपी के विधानसभा की 10 सीटों पर होना है चुनाव
- भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बने उपचुनाव
- भाजपा के पत्ते देख अपने प्रत्याशी तय करेगी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी समेत कई राज्यों में विधान सभा के उप चुनाव होने हैं। उत्तर प्रदेश की चारों प्रमुख पार्टियों समेत अन्य दल इसकी तैयारी में जुटे हैं। हालांकि प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव के लिए आयोग ने भले ही कार्यक्रम घोषित नहीं किया है। पर सभी दल अपने-अपने स्तर से सीटों पर जीत दर्ज करने की रणनीति बनाने में जुट गए हैं। लोक सभा चुनाव में भाजपा को चित करके 36 सीटें जीतने वाली सपा उत्साह में है। वह इस चुनाव में हर हाल में जीतना चाहेगी। चूकि सियासी गलियारें में यह भी चर्चा है कि यह चुनाव सत्ता पर काबिज योगी सरकार के लिए लिटमस टेस्ट की तरह होंगे। अगर इन चुनावों में बीजेपी या एनडीए को इंडिया गठंबधन से मात मिलती है तो यह आने वाले 2027 विधान सभा चुनाव के लिए खतरे की घंटी बजाने वाली होगी।

वहीं कांग्रेस भी लोक सभा में 6 सीटें पाकर गदगद है। उसने तो विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का मन बनाना शुरू कर दिया है। इसी के तहत वह अपने संगठन में कई बदलाव करने की सोच रहे हैं। फिलहाल तो प्रदेश कांग्रेस नीट-अग्निवीर जैसी योजनाओं में रोज कहीं न कहीं प्रदर्शन करके अपनी छवि एक जूझारू पार्टी की बनाने में लग गई हैं। इस उपचुनाव में वह अगर सीटे जीतती है तो यह भाजपा के लिए मुश्किल पैदा कर सकते हैं। उधर लोक सभा चुनाव में एक भी सीट न पाने वाली बसपा ने भी हिम्मत नहीं हारी है वह एकबार फिर अपने वोटबैंक को अपनी तरफ करने के लिए जुट गई है। सपा मुखिया अखिलेश यादव, कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी व बसपा प्रमुख मायावती ने भी कमर कसना शुरू कर दिया।

सपा ने विधानसभा की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए गुणा-भाग शुरू कर दिया है। हालांकि, पार्टी प्रत्याशियों की घोषणा करने के लिए भाजपा के रणनीतिक पत्तों के खुलने का इंतजार करेगा। लोकसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित सपा नेतृत्व ने इस चुनाव में भी जी-जान से जुटने का कार्यकर्ताओं से आह्वान किया है। बता दें कि सीसामऊ (कानपुर) की सीट सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है, जबकि अन्य नौ के विधायकों के सांसद चुने जाने से उपचुनाव हो रहा है। इनमें से पांच सीटें करहल, सीसामऊ, मिल्कीपुर, कटेहरी और कुंदरकी अभी सपा के पास थीं जबकि खैर, गाजियाबाद और फूलपुर सीट भाजपा, मझवा निषाद पार्टी और मीरापुर रालोद ने जीती थी। करहल सीट अखिलेश यादव के सांसद बनने से रिक्त हुई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यहां से अखिलेश परिवार के तेज प्रताप सिंह यादव को उतारा जाना करीब-करीब तय है। सपा के लिए सबसे अहम सीट अयोध्या की मिल्कीपुर है, क्योंकि फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट को जीतना सपा बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश कर रही है। मिल्कीपुर से सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत भी टिकट के दावेदार हैं। सूत्रों के मुताबिक, सपा नेतृत्व नहीं चाहता है कि अवधेश की जीत से बने माहौल को कोई नुकसान पहुंचे, इसलिए उनके बेटे के बजाय किसी अन्य को लड़ाने पर विचार किया जा रहा है। मिल्कीपुर सीट पर सपा के पास कई मजबूत दावेदार हैं। कटेहरी सीट लालजी वर्मा के सांसद चुने जाने से खाली हुई है। यहां उनकी बेटी छाया वर्मा को लड़ाने की चर्चाएं उठ रही हैं, लेकिन सूत्र बताते हैं कि वहां से किसी ब्राह्मण या मांझी दावेदार को मौका मिल सकता है। सीसामऊ से इरफान सोलंकी के परिवार के ही सदस्य को उतारा जा सकता है। कानपुर से सपा विधायक अमिताभ वाजपेयी की पत्नी वंदना वाजपेयी या परिवार के किसी अन्य सदस्य के नाम पर भी विचार चल रहा है। कुंदरकी से तुर्क मुस्लिम को उतारा जाना लगभग तय है।

जातिगत समीकरणों पर रहेगी नजर

सूत्रों का कहना है कि भाजपा के प्रत्याशियों को देखते हुए पार्टी अपने जातिगत समीकरणों का आकलन करेगी और उसी के आधार पर रणनीति बनाएगी। यही वजह है कि मीरापुर (मुजफ्फरनगर) सीट पर मुस्लिम, गुर्जर और जाट दावेदारों के नाम पर विचार किया जा रहा है। खैर (अलीगढ़) में निर्दल प्रत्याशी के रूप में अच्छा प्रदर्शन कर चुकीं एक नेता के नाम पर विचार चल रहा है। रालोद के एक नेता भी टिकट के लिए सपा के संपर्क में बताए जा रहे हैं। फूलपुर से पटेल या कुशवाहा बिरादरी के नेता पर सपा दांव लगाएगी। मझवा (मिर्जापुर) में ब्राह्मण या बिंद बिरादरी के नेता को मौका मिल सकता है। गाजियाबाद में जाट और दलित समीकरणों पर विचार हो रहा है।

उपचुनाव मामला हाईकोर्ट भी पहुंचा

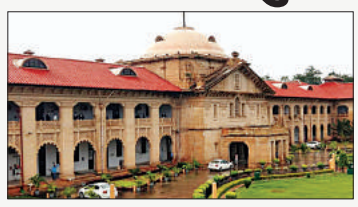

कानपुर से समाजवादी पार्टी के निवर्तमान विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी को सात साल की सजा मिलने का मामला अब हाईकोर्ट पहुंच गया है। निवर्तमान विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी ने सजा के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दाखिल की है। अपील में दोषी ठहराए जाने और सजा सुनाए जाने के फैसले को चुनौती दी गई है। सजा को रद्द किए जाने की अपील की गई है। इसके अलावा अंतिम फैसला आने तक सजा पर रोक लगाए जाने और इस मामले में जमानत दिए जाने की भी गुहार लगाई गई है। जस्टिस राजीव मिश्र की सिंगल बेंच में मामले की सुनवाई अगले हफ्ते होगी। इरफान सोलंकी को अगर हाईकोर्ट से राहत मिलती है और उनकी सजा पर रोक लग जाती है तो उनकी विधानसभा की सदस्यता बहाल जाएगी और उनकी सीट पर होने वाला विधानसभा का उपचुनाव रुक जाएगा। सोलंकी ब्रदर्स की तरफ से उनके अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय पक्ष रखेंगे। कानपुर की स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट ने इसी साल सात जून को सपा विधायक इरफान सोलंकी समेत पांच लोगों सात साल की सजा को सुनाई थी। जाजमऊ की डिफेंस कॉलोनी में फातिमा नाम की महिला का घर जलाए जाने के मामले में सजा सुनाई गई थी. इरफान सोलंकी कानपुर की सीसामऊ सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधायक चुने गए थे।

कमलनाथ के गढ़ में सीएम मोहन ने संभाली उपचुनाव की कमान

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा में मुख्यमंत्री मोहन यादव अमरवाड़ा विधानसभा सीट के उपचुनाव को लेकर अपनी पूरी ताकत झोकने वाले हैं। उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने पूरी रणनीति तैयार कर ली है। साथ ही कांग्रेस भी अपना किला बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव अमरवाड़ा दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव अमरवाड़ा उपचुनाव में प्रचार करेंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव पार्टी प्रत्याशी कमलेश प्रताप शाह के समर्थन में सामाजिक संगठनों से बातचीत करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री अमरवाड़ा में ही रात्रि विश्राम करें। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ अपना गढ़ बचाने के लिए लगातार जनसभाएं कर रहे हैं। उन्होंने बटका खापा, अमरवाड़ा सहित विधानसभा क्षेत्र के कई इलाकों में जनसभा की ओर कांग्रेस प्रत्याशी धीरेन शाह के लिए वोट मांगा। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी अमरवाड़ा उपचुनाव में आमसभा कर रहे हैं कांग्रेस भी इस सीट पर अपना पूरा दावा ठोक रही है। बता दें कि छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा सीट पर उपचुनाव में 16 उम्मीदवार मैदान में है. 17 उम्मीदवारों की तरफ से 26 नामांकन जमा किए गए। एक उम्मीदवार का फॉर्म रिजेक्ट हो जाने की वजह से अब 16 उम्मीदवार मैदान में हैं।

केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा बीजेपी प्रत्याशियों के नाम

सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में 10 उम्मीदवारों के नाम का पैनल केंद्रीय नेतृत्व को भेजने का फैसला किया गया। तय हुआ कि 14 जुलाई को इस संबंध में लखनऊ में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक होगी। बैठक में 10 विधानसभा सीटों के उपचुनाव के लिए 3-3 उम्मीदवारों के नाम तय करते हुए केंद्रीय नेतृत्व को पैनल भेजने और पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों का सम्मान करने का निर्णय हुआ। इसकी तारीख जल्द घोषित की जाएगी। प्रदेश में वृहद स्तर पर होने वाले पौधरोपण में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की सहभागिता की रणनीति तय की गई। बैठक में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

भाजपा ने उतारी मंत्रियों की टीम, सीएम योगी की अगुवाई में 16 मंत्री करेंगे प्रचार

भाजपा भी इन 10 में से अपने हिस्से की पांच सीटों पर कब्जा बरकरार रखने के साथ ही शेष पांच सीटों को भी जीतने की रणनीति बनाई है। उप चुनाव की कमान खुद मुख्यमंत्री ने अपने हाथों में लिया है। उन्होंने सभी 10 सीटों पर 16 मंत्रियों की टीम तैनात कर जीत पक्की करने की जिम्मेदारी दी गई है। इस संबंध में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में बैठक हुई थी। जिसमें भाजपा के साथ ही ओम प्रकाश राजभर को छोड़ सभी सहयोगी दलों के मंत्री भी मौजूद रहे। बैठक में उप चुनाव जीतने की रणनीति पर चर्चा हुई। इसके बाद 16 मंत्रियों की टीम का गठन कर सभी को अपनी-अपनी सीटों पर जीत दर्ज करने की जिम्मेदारी दी गई। मंत्रियों की टीम में भाजपा के अलावा सहयोगी दलों के मंत्रियों को भी शामिल किया गया है । कुछ सीटों पर दो तो कुछ एक मंत्री को जिम्मेदारी दी गई है। इनके साथ संगठन के भी पदाधिकारियों को लगाया जाएगा।दरअसल उप चुनाव में सभी 10 सीटों पर जीत दर्ज करके भाजपा लोकसभा चुनाव में मिले हार के घाव को भरना चाहती है। इसलिए मंत्रियों को हर हाल में जीत दर्ज करने के अभी से क्षेत्रों में डटे रहने को कहा गया है। वहीं, उप चुनाव की तारीखों की घोषणा जल्द होने की संभावना को देखते हुए भाजपा में टिकट के लिए भी भागदौड़ शुरू हो गई है। विधायक से सांसद बनने वाले नेता जहां अपने परिवार के किसी सदस्य को टिकट दिलाने में जुटे हैं. वहीं कई पूर्व सांसद और विधायक भी टिकट के दौड़ में शामिल हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आरबीआई की रिपोर्ट दिखा रही सरकार को आईना!

बता दें कि वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की सकल बचत दर में सकल शुद्ध प्रयोज्य आय 29.7 प्रतिशत थी। जिसमें परिवार के प्राथमिक बचतकर्ता की हिस्सेदारी 60.9 प्रतिशत रही है, जबकि वर्ष 2013-22 के बीच का औसत 63.9 प्रतिशत रहा। केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकाल के मुकाबले तीसरी बार के कार्यकाल के लिए उनकी पार्टी भाजपा को जनादेश कम मिलने का रहस्य उनकी आर्थिक नीतियों में भी छिपा है।

पीएम मोदी हर मंच से अपनी सरकार की आर्थिक नीतियों का बखान करते रहते हैं। पर अभी हाल में एक आरबीआई रिपोर्ट आई है वह उसकी कलई खोल रही है। ये रिपोर्ट एक तरह से सरकार को आईना भी दिखा रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले 10 वर्ष के शासनकाल में भारत के लोगों की शुद्ध बचत में गिरावट आई है, जबकि खर्च में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। बता दें कि वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की सकल बचत दर में सकल शुद्ध प्रयोज्य आय 29.7 प्रतिशत थी। जिसमें परिवार के प्राथमिक बचतकर्ता की हिस्सेदारी 60.9 प्रतिशत रही है, जबकि वर्ष 2013-22 के बीच का औसत 63.9 प्रतिशत रहा। केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकाल के मुकाबले तीसरी बार के कार्यकाल के लिए उनकी पार्टी भाजपा को जनादेश कम मिलने का रहस्य उनकी आर्थिक नीतियों में भी छिपा है। मोदी सरकार के मातहत काम करने वाले भारतीय रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट-2024 बोल रही है।

इस रिपोर्ट से पता चलता है कि पिछले एक दशक यानी मोदी युग में न केवल लोगों की शुद्ध बचत घटी है, बल्कि इसी बीच आई वैश्विक कोरोना महामारी के चलते भी लोगों के बचत करने के व्यवहार में आमूल चूल बदलाव आया है। यदि मोदी सरकार इसे समय रहते ही समझ गई होती तो उसे गठबंधन की बैशाखी पर चलने की जरूरत ही नहीं पड़ती। आरबीआई की इस रिपोर्ट की, जिसके मुताबिक, देशवासियों के बीच बचत कम होने के दो मुख्य कारण हैं- पहला यह कि अब लोग सोना-चांदी, जमीन-घर और म्यूचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं। और दूसरा यह कि, लोगों का घरेलू खर्च यानी शिक्षा, स्वास्थ्य, आम उपभोग आदि बढ़ा है, जिसकी वजह से शुद्ध वित्तीय बचत में भारी कमी दिखाई पड़ी है। इसी तरह से लोगों के पास शुद्ध वित्तीय बचत में भी 11.3 प्रतिशत की गिरावट आई है जो 2022-23 में गिरकर 28.9 प्रतिशत रह गई है, जबकि 10 वर्षों का औसत 39.8 प्रतिशत रहा है। वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान भले ही घरेलू बचत में बढ़ोतरी देखने को मिली थी, लेकिन वह ज्यादा स्थाई नहीं रह पाई। आंकड़े बताते हैं कि इस दौरान कुल घरेलू बचत 51.7 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, परंतु उसके बाद जैसे ही लॉकडाउन खुला तो लोगों ने अपनी बचत को सम्पत्तियों के खरीदने पर खर्च करना शुरू कर दिया। इसके साथ ही साथ लोगों की देनदारियों में भी बढ़ोतरी हुई, जिससे नगदी के रूप में बचत गिरती चली गई। वहीं, कोरोना के बाद से लोग बचत को बैंक खातों में एफडी व अन्य रूप में रखने से बच रहे हैं। जबकि सम्पत्तियों को खरीदने के लिए कर्ज लेने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं। अब चूकि एनडीए सरकार का यह तीसरा कार्यकाल है उसे इस रिपोर्ट को गंभीरता से लेना चाहिए और आम जन के सबसे बड़े निवेश बचत को बढ़ावा देने की कोशिश करनी चाहिए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीतिक अविश्वास से उपजा सत्ता पलट

पुष्परंजन

बिहार के सहरसा में जन्मे गिरिजा प्रसाद कोइराला नेपाल में चार बार प्रधानमंत्री रहे। मई, 2008 में जब वह अंतरिम सरकार के कार्यकारी प्रधानमंत्री थे, तब भी अपनी इकलौती संतान सुजाता कोइराला को प्रधानमंत्री बनते देखना चाहते थे, लेकिन उनका यह सपना उनके साथ ही चला गया। नेपाली कांग्रेस की राजनीति आज भी स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला को केंद्र में रखकर की जाती है। उसका उदाहरण मंगलवार को तब देखने को मिला, जब कोइराला की 100वीं जयंती के अवसर पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। 'क्रांति से शांति तक' नामक फोटो प्रदर्शनी नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा, ललितपुर में आयोजित किया गया था, जहां वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड आये, और इसके प्रकारांतर 'पीएम इन वेटिंग', केपी शर्मा ओली भी पधारे। उस अवसर पर प्रचंड का नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा से क्या संवाद हुआ, वह सार्वजनिक नहीं हुआ है। मगर, बुधवार सुबह प्रचंड ने घोषणा की, कि पहले संसद में विश्वास मत करा लेते हैं, फिर मैं कुर्सी छोड़ूंगा।

एक साल 180 दिनों से प्रचंड सत्ता में हैं। तीसरे टर्म प्रधानमंत्री पद पर बने रहना कितना कठिन होता है, उसे यों समझा जाये कि अब तक उन्हें चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा है। आखिरी बार 20 मई, 2024 को प्रचंड को विश्वास मत हासिल करना पड़ा था, तब उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था। बुधवार शाम एमाले ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी। उसके आठ मंत्री सरकार में थे, उन्होंने भी त्यागपत्र दे दिया। एमाले ने चौबीस घंटे के भीतर प्रचंड से प्रधानमंत्री पद छोड़ने को कहा है। प्रचंड ने सुबह ही मना कर दिया था कि फ्लोर टेस्ट के बाद ही सब तय होगा। संविधान के अनुच्छेद 100 (2) में कहा गया है कि यदि गठबंधन में कोई राजनीतिक दल अपना समर्थन वापस ले लेता है, तो प्रधानमंत्री 30 दिन के भीतर विश्वास मत के लिए प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश करेंगे। अब सबको लग गया है कि प्रचंड आसानी से पद छोड़ने वाले नहीं।

सोमवार को जब 'सूर्य अस्त, नेपाल मस्त' था, तब रात सवा बारह बजे काठमांडो के बूढ़ा नीलकंठ स्थित चपली हाइट रिसोर्ट में नेकपा-एमाले (यूएमएल) और नेपाली कांग्रेस ने सत्ता परिवर्तन का समझौता किया था। चपली

समझौते में तय हो गया कि बचे हुए टर्म के आधे कालखंड में केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री रहेंगे, और शेष समय शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालेंगे। लिखित सहमति के अनुसार, 'ओली नेपाली कांग्रेस और अन्य सीमांत दलों के समर्थन से नई सरकार का नेतृत्व करेंगे। संविधान संशोधन किया जायेगा। समानुपातिक चुनाव प्रणाली बदली जाएगी, नेपाली कांग्रेस गृह सहित 10 मंत्रालयों का नेतृत्व करेगी। यूएमएल को वित्त सहित नौ मंत्रालय मिलेंगे। कांग्रेस और यूएमएल तीन-तीन प्रांतीय सरकारों का नेतृत्व करेंगे, मगर मधेश में सरकार का नेतृत्व एक क्षेत्रीय पार्टी करेगी।' चपली हाइट रिसोर्ट से ही सन्देश जारी किया गया कि इस समझौते का अनुमोदन हम मंगलवार से करने जा रहे हैं, राष्ट्रीय सहमति की सरकार में माओवादियों को छोड़कर, जो शेष दल आना चाहते हैं, उनका स्वागत है।' चपली समझौते' को सत्ता पलट का प्रयास कहा जाये, तो अनुचित नहीं होगा। ओली ने यह ब्रह्मास्त्र चलाया क्यों, उसके पीछे की वजह अविश्वास है। प्रचंड अलग-अलग ठिकानों पर नेपाली कांग्रेस के नेताओं से बात कर रहे थे, यह खबर केपी शर्मा ओली को थी। एमाले के नेता प्रदीप कुमार ज्ञावाली ने बुधवार को कहा, 'पीएम प्रचंड राष्ट्रीय सर्वसम्मति वाली सरकार बनाने के लिए पिछले एक महीने से नेपाली कांग्रेस के नेताओं के साथ बातचीत कर रहे थे, जिससे अविश्वास की स्थिति पैदा हो गई। इसने अंतत: हमें नेपाली कांग्रेस के साथ बातचीत शुरू करने के लिए मजबूर किया।' लेकिन केवल यही बात नहीं थी, राजदूतों की नियुक्तियों में भी दोनों नेताओं में तू-तू, मैं-मैं हुई थी। पांच टर्म प्रधानमंत्री रह चुके शेर बहादुर देउबा 26 दिसंबर, 2022 को सत्ता से बाहर हुए थे, उसी दिन केपी शर्मा ओली की पार्टी 'नेकपा-एमाले' की मदद से प्रचंड प्रधानमंत्री बन गए। लेकिन, ओली से पटरी बैठना प्रचंड के लिए भी आसान नहीं था। मंत्रालयों की फाइलें और राजदूतों की नियुक्तियां मतभेद का कारण बनती चली गईं।

देश आर्थिक रूप से जर्जर और जरूरी वस्तुओं से अभावग्रस्त होने लगा। इंडस्ट्री धड़ाधड़ बंद होने लगी, मगर दोनों नेताओं में अहं का टकराव चरम पर था। ओली और दाहाल के बीच दरार की सबसे बड़ी वजह नेपाल प्रतिभूति बोर्ड (सेबन) में अध्यक्ष की नियुक्ति, झापा स्थित गिरीबन्धु चाय बगान भूमि स्केंडल में फंसे ओली, और भूटानी शरणार्थियों की कबूतरबाजी का मामला भी रहा है।

भारत में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

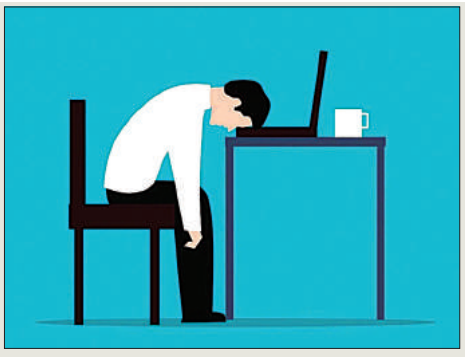

भारत में बढ़ती शारीरिक अकर्मण्यता एवं आलसीपन एक समस्या के रूप में सामने आ रहा है, लोगों की सक्रियता एवं क्रियाशीलता में कमी आना एवं वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ता का सबब है। इस दृष्टि से प्रतिष्ठित लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की वह हालिया रिपोर्ट आईना दिखाने वाली है जिसमें पचास फीसदी भारतीयों के शारीरिक श्रम न करने का उल्लेख है। महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। इस अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर वर्तमान में तेजी से पसर रहा आलसीपन एवं शारीरिक निष्क्रियता इसी तरह जारी रहा तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़कर साठ प्रतिशत तक पहुंच जायेगी, जो चिन्ताजनक है।

लैंसेट ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आधी वयस्क आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शारीरिक गतिविधि संबंधी मानदंडों को पूरा नहीं कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के वयस्कों में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता का पैमाना 2000 में 22.3 फीसदी से बढ़कर 2022 में 49.4 फीसदी हो गई है, साथ ही इसमें बताया गया है कि देश में महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा शारीरिक रूप से ज्यादा निष्क्रिय हुई हैं। इस निष्क्रियता, आलसीपन एवं उदासीनता का कारण बढ़ते उपभोक्तावाद एवं शहरीकरण से उपजी सुविधावादी एवं आरामदायक जीवनशैली है। इसके कारण बीमारियां भी बढ़ रही है। क्योंकि जब व्यक्ति को सुस्त, निढ़ाल एवं निस्तेज देखा जाता है तो इसका सीधा अर्थ यही लगाया जाता है कि शायद उसकी तबीयत ठीक नहीं है। विडम्बना यह भी है कि समय के साथ विस्तृत होने दायरे के बीच ज्यादातर लोगों की व्यस्तता तो बढ़ी है, मगर उनकी शारीरिक सक्रियता, उत्साह एवं जोश में तेजी से कमी आई है, जो नये बनते भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प के सामने एक बड़ी चुनौती है।

भविष्य के भारत को लेकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की साठ प्रतिशत आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे तो आने वाले वक्त में यहां की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी। जिस देश की अधिकांश आबादी के सामने रोजी-रोटी की समस्या जटिल एवं अहम है, वहां के लोगों को जीवन चलाने के लिये शारीरिक रूप से जरूरत से ज्यादा सक्रिय रहते हुए श्रम करना पड़ता है। इन स्थितियों में बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि भारत में ऐसे हालात कैसे पैदा हो रहे हैं कि यहां इतनी बड़ी आबादी सुस्त एवं आलसी होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित शोधकर्ताओं का मानना है कि भारत एशिया प्रशांत में उच्च आय वर्ग वाले देशों में निष्क्रियता के क्रम में दूसरे स्थान पर है। निस्संदेह, लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया रिपोर्ट आंख खोलने वाली है, रिपोर्ट गंभीर चिन्तन-मंथन की आवश्यकता को भी उजागर कर रही है।

यह जानते हुए भी कि भारत लगातार मधुमेह और हृदय रोग जैसी बीमारियों में जकड़ता हुआ बीमार राष्ट्र बनता जा रहा है। इन असाध्य बीमारियों का कारण कहीं-न-कहीं श्रम की कमी एवं सुविधावादी जीवनशैली ही है। दरअसल, आजादी के बाद देश में आर्थिक विकास को गति मिली है। अब हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। औसत भारतीय के जीवन स्तर में सुधार जरूर आया है तो आम नागरिक का जीवन सुविधावादी भी बना है। इस संकट की वजह शहरीकरण और जीवन के लिये जरूरी सुविधाओं का घर के आस-पास उपलब्ध हो जाना भी है, आनलाइन प्रचलन भी बड़ा कारण बन रहा है। पहले देश की साठ फीसदी से अधिक आबादी कृषि व उससे जुड़े श्रमसाध्य कार्यों में सक्रिय थी। लेकिन अब मेहनतकश किसान को कोई शारीरिक श्रम करने की जरूरत नहीं पड़ती है, कृषि की ही तरह अन्य श्रम से जुड़े कार्यों में भी मेहनत एवं श्रम पहले ही तुलना में कम करना पड़ता है क्योंकि धीरे-धीरे कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में आधुनिक यंत्रों व तकनीकों ने शारीरिक श्रम की महत्ता को कम किया है। कृषि-क्रांति से बड़ी संख्या में निकले लोगों ने शहरों को अपना ठिकाना बनाया, लेकिन वे शारीरिक सक्रियता को बरकरार नहीं रख पाये। इन स्थितियों ने भी व्यक्ति को आलसी, अकर्मण्य एवं सुस्त बनाया है।

इस शारीरिक निष्क्रियता के मूल में भारतीय पारिवारिक संरचना व सांस्कृतिक कारण भी हैं। घर-परिवार संभालने वाली महिलाओं में भी बढ़ते सुविधा के साधनों के कारण श्रमशीलता कम हुई है। कुछ दूर पर सब्जी-फल लेने जाने पर भी हम वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा भी नहीं है कि शहरों में स्वास्थ्य चेतना का विकास नहीं हुआ, लेकिन इसके बावजूद शहरों के पार्कों में सुबह गिने-चुने लोग ही नजर आते हैं। व्यक्तियों में प्रात: भ्रमण, योग, ध्यान, व्यायाम की गतिविधियों में भी कमी देखने को मिल रही है। इस जटिल से जटिलतर होती समस्या से मुक्ति के लिये हर व्यक्ति को जागरूक होना होगा। खुद को छोटी-मोटी असुविधाओं के लिए तैयार करना होगा। कभी-कभार थोड़ा कम नींद लेने, कम खाने या फिर ज्यादा देर काम कर लेने की मानसिकता को बल देना होगा। जरा सी चुनौती सामने आने पर बेचैन न हों, उसे नया सीखने के मौके व नए अनुभव के रूप में देखना होगा। अक्सर जब कुछ नया करने के लिए कदम बढ़ाते हैं, तो पुरानी आदतें एवं आराम की मानसिकता तुरंत परीक्षा लेने आ जाती हैं।

खुद को रखें हाइड्रेट

गर्मी के इस मौसम में हर किसी को पर्याप्त मात्रा में पानी और अन्य लिक्विड पदार्थों का सेवन करना चाहिए। शरीर जब हाइड्रेट रहेगा तो त्वचा संबंधी कई परेशानियों से आपको छुटकारा मिलेगा। गर्मी में पानी के अलावा नारियल पानी पीना बेहद फायदेमंद होता है। नारियल पानी में नैचुरल शुगर, विटामिन सी और फाइबर होता है।नारियल पानी शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। अगर आप गर्मी में खुद को डिहाइड्रेट पाते हैं, तो इसे पी लें। बेल का शरबत गर्मियों के लिए काफी फायदेमंद होता है। दरअसल, बेल की तासीर ठंडी होती है जो पेट को ठंडक देता है। साथ ही बॉडी को हाइड्रेट भी करता है। गर्मियों में खुद को हाइड्रेट करने के लिए आप बेल का जूस भी सकते हैं। तरबूज गर्मियों का मौसमी फल होता है। तरबूज में 90 प्रतिशत से अधिक पानी होता है। ऐसे में गर्मी में खुद को हाइड्रेट रखने के लिए तरबूज का जूस पिया जा सकता है।

ऐसे कपड़े पहनें

इस गर्मी में आपको फुल सूती कपड़े ही पहनने चाहिए। सूती के साथ-साथ आप शिफॉन या फिर अन्य हल्के फैब्रिक के कपड़े भी कैरी कर सकते हैं। कोशिश करें कि सिंथेटिक कपड़ों से तो दूर ही रहें। ये आपको गर्मी में न सिर्फ परेशान कर सकते हैं, बल्कि साथ में ये कपड़े त्वचा संबंधी परेशानियों को जन्म दे सकते हैं। जो बाद में काफी गंभीर समस्या हो सकती है। इसलिए ऐसी भयंकर गर्मी में सूती कपड़े पहनने की सलाह दी जाती है।

मॉइश्चराइजर का करें इस्तेमाल

ज्यादातर लोग गर्मी के मौसम में मॉइश्चराइजर इस्तेमाल नहीं करते। जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। गर्मियों में मॉइश्चराइजर त्वचा के लिए काफी जरूरी है। बस गर्मियों में वॉटर बेस्ड मॉइश्चराइजर का ही इस्तेमाल करें। ताकि ये त्वचा पर चिपचिपाए नहीं। मॉइस्चराइजर लगाने का सही समय नहाने के बाद होता है। सबसे पहले आप अपनी स्किन को पूरी तरह तौलिए की मदद से पोंछ लें। ध्यान रहे कि स्किन में हल्की नमी बनी रहनी चाहिए। बहुत ज्यादा ड्राई स्किन पर भी मॉइस्चराइजर ज्यादा असरदार साबित नहीं होती है। हल्की नमी रहते हुए स्किन पर मॉइस्चराइजर लगाने से स्किन सॉफ्ट हो जाती है, और सॉफ्टनेस लंबे समय के लिए लॉक भी हो जाती है।

चिपचिपी गर्मी में त्वचा का ऐसे करें बचाव

जुलाई का महीना चल रहा है। इस महीने में जो चिपचिपी गर्मी होती है इसके अलावा धूप और गर्मी से भी लोगों का हाल बेहाल हो जाता है। कई जगह का पारा अभी भी अधिक है। गर्मियों में हर किसी को अपनी त्वचा का विशेष ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। इस मौसम में त्वचा को चमकदार बनाए रखना एक बड़ा टास्क होता है। गर्मी के साथ, पसीना, धूल और प्रदूषण आता है, जिससे धीरे-धीरे कई अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इस चिपचिपी गर्मी की वजह से त्वचा में कई प्रकार की समस्याएं हो जाती हैं। गर्मी की वजह से स्किन काफी डैमेज होने लगती है। टैनिंग से हर दूसरा व्यक्ति परेशान है। कई बार ये समस्याएं गंभीर रूप भी ले लेती हैं, जिसके चलते डॉक्टर्स से भी सलाह लेनी पड़ती है। इसके लिए कुछ सिंपल टिप्स को अपनाकर आप अपनी त्वचा को तेज धूप से बचा सकते हैं।

सनस्क्रीन है जरूरी

इस गर्मी के मौसम में कभी भी बिना सनस्क्रीन लगाए तो रहें ही नहीं। गर्मी में सूरज से जो हानिकारक किरणें निकलती हैं, वो त्वचा को काफी नुकसान पहुंचाती हैं। इस परेशानी से आपको बस अच्छी सनस्क्रीन ही बचा सकती है। ध्यान रखें कि जिस सनस्क्रीन का आप इस्तेमाल करें, उसमें कम से कम 50 एसपीएफ मौजूद हो, तभी वो त्वचा को फायदा पहुंचाएगी।

चेहरा करें कवर

आपको गर्मी के मौसम में स्किन को अच्छी तरह से कवर करके ही घर से बाहर निकलना चाहिए। अगर स्किन को आप कवर नहीं करेंगे तो स्किन में इंफेक्शन, स्किन कैंसर, टैनिंग आदि की समस्या बढ़ने लगेगी जिससे बचने के लिए चेहरे को हमेशा कवर करके रखें। चेहरे को सूती स्कार्फ से कवर जरूर करें। ये स्कार्फ सूरज की हानिकारक किरणों से आपको बचाएगा। और आपकी त्वचा स्वस्थ्य रहेगी।

हंसना मना है

भक्त- भगवान मैं पापी हूं! मुझे दर्द दो, दुख दो, मुझे बर्बाद कर दो, परेशानी दो, मेरे पीछे भूत लगा दो! भगवान- अबे एक लाइन में बोल ना कि बीबी चाहिए!

गर्लफ्रेंड- मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है। बॉयफ्रेंड- कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये। अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ। गर्लफ्रेंड बेहोश।

पत्नी- इतने साल हो गये शादी को आज तक कुछ नहीं दिया, पति- दिल तो दिया है और क्या चाहिए, पत्नी- नहीं जानू, कोई सोने की चीज दिलाओ ना, पति- चलो शाम को नया तकिया ला दूंगा, खूब मजे से सोना।

ज्योतिषी- अच्छा, तो आप अपने प्रेमी का भविष्य जानना चाहती हैं ? गीता- जी नहीं, उसका भविष्य तो मेरे हाथ में है। आप तो उसके अतीत के बारे में बताइये?

रंग से गोरी न थी लेकिन सुन्दर थी..बहुत ऊंची न थी, लेकिन मेरे लिए योग्य थी, मेरे कदमो से कदम मिलाती थी, मंदिर-मस्जिद आने से इनकार करती थी, लेकिन बाहर मेरा इंतजार करती थी, कही भी जाओ मेरे लिए रुक जाती थी, वो जैसी भी थी मेरी चप्पल थी.. पता नहीं कौन उठाकर ले गया?

कहानी | बगुला भगत और केकड़ा

एक जंगल में आलसी बगुला रहता था। उससे अपने लिए खाना ढूंढने में भी आलस आता था। जिस कारण उसे कई दिन भूखा रहना पड़ता था। एक बार उसे एक आइडिया सूझा। तुरंत ही वह उस योजना को सफल बनाने में जुट गया। वह नदी के किनारे एक कोने में जाकर खड़ा हो गया और मोटे-मोटे आंसू टपकाने लगा। उसे रोता देख केंकड़ा उसके पास आया और पूछा, अरे बगुला भैया, क्या बात है? रो क्यों रहे हो? बगुला रोते-रोते बोला, क्या बताऊं केंकड़े भाई, मुझे अपने किए पर बहुत पछतावा हो रहा है। अपनी भूख मिटाने के लिए मैंने आज तक न जाने कितनी मछलियों को मारा है। मैं कितना स्वार्थी था, लेकिन आज मैंने यह वचन लिया है कि अब मैं एक भी मछली का शिकार नहीं करूंगा। केंकड़े ने कहा, अरे ऐसा करने से तो तुम भूखे मर जाओगे। बगुला बोला, किसी और की जान लेकर अपना पेट भरने से तो भूखे पेट मर जाना ही अच्छा है, भाई। वैसे भी मुझे कल त्रिकालीन बाबा मिले थे और उन्होंने मुझसे कहा कि कुछ ही समय में 12 साल के लिए सूखा पड़ने वाला है, जिस कारण सब मर जाएंगे। केंकड़े ने जाकर यह बात तालाब के सभी जीवों को बता दी। अच्छा, कछुए ने चौंक कर पूछा, तो फिर इसका क्या हल है? बगुले भगत ने कहा, यहां से कुछ कोस दूर एक तालाब है। हम सभी उस तालाब में जाकर रह सकते हैं। वहां का पानी कभी नहीं सूखता। मैं सभी वहां छोड़कर आ सकता हूं। यह सुनकर जानवर खुश हो गए। अगले दिन से बगुले ने अपनी पीठ पर एक-एक जीव को ले जाना शुरू कर दिया। वह उन्हें कुछ दूर ले जाता और एक चट्टान पर ले जाकर मार डालता। उस चट्टान पर जीवों की हड्डियों का ढेर लगने लगा था। बगुला ने सोचा दुनिया भी कैसे मूर्ख है। इतनी आसानी से मेरी बातों में आ गए। एक दिन केंकड़े ने बगुले से कहा, बगुला भैया, तूम हर रोज किसी न किसी को ले जाते हो। मेरा नंबर कब आएगा? तो बगुले ने कहा, ठीक है, आज तुम्हें ले चलता हूं। जब वो दोनों उस चट्टान के पास पहुंचे, तो केंकड़े ने वहां हड्डियां देखी उसने तुरंत बगुले से पूछा कि ये हड्डियां किसकी हैं और जलाशय कितना दूर है? बगुला जोर जोर से हंसते हुए बोला, कोई जलाशय नहीं है और ये सारी तुम्हारे साथियों की हड्डियां हैं, जिन्हें मैं खा गया। उसकी यह बात सुनते ही केंकड़े ने बगुले की गर्दन अपने पंजों से पकड़ ली। कुछ ही देर में बगुले के प्राण निकल गए। इसके बाद, केंकड़ा लौट कर नदी के पास गया और अपने बाकी साथियों को सारी बात बताई। उन सभी ने केंकड़े को धन्यवाद दिया और उसकी जय जयकार की।

7 अंतर खोजें

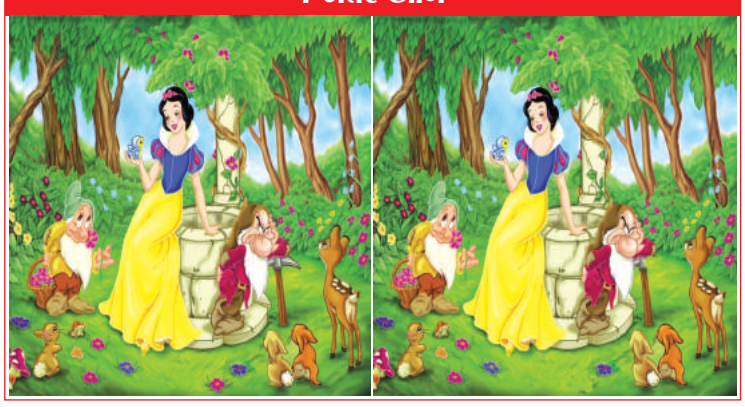

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी।

वृषभ व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा।

मिथुन नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

कर्क व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें।

सिंह राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

कन्या व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें।

तुला कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी।

वृश्चिक प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

धनु बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है।

मकर आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है।

कुम्भ कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

मीन नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

लव लाइफ पर सोनाक्षी ने कभी नहीं मानी मेरी बात : लव सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा मिसेज जहीर इकबाल बन गई हैं। सोनाक्षी को इस इंटरफेथ शादी के लिए पापा शत्रुघ्न सिन्हा और मां पूनम सिन्हा का आशीर्वाद मिला, लेकिन उनके भाई लव सिन्हा की बातें सबूत हैं कि वह बहन के इस फैसले से बिलकुल भी खुश नहीं है। सोनाक्षी के भाई लव सिन्हा इस शादी में शामिल नहीं हुए थे और एक्स पर एक पोस्ट साझा कर उन्होंने इस बात का खुलासा भी किया था। इस रिश्ते से सिन्हा परिवार के बिगड़े माहौल को लेकर पिछले कई समय से अफवाहें चल रही हैं। जहीर इकबाल से सोनाक्षी सिन्हा की शादी पर तमाम लोगों ने आपत्तियां जताईं। इसे लव जिहाद तक का नाम दिया गया। भाई लव सिन्हा ने एक्स पर पोस्ट साझा कर इस शादी से बहन के साथ हुए विवाद के संकेत दिए। लव सिन्हा पहले भी सोनाक्षी के बारे में बात कर चुके हैं। उन्होंने बताया था कि सोनाक्षी किसी की नहीं सुनतीं। उन्होंने बताया था कि एक भाई के रूप में, मेरा कन्सर्न्ड हमेशा उसके लिए रहेगा। इसलिए, मैं चिंतित रहूंगा क्योंकि हर कोई, सतही तौर पर, हमेशा यह दिखाने की कोशिश करता है कि वे अच्छे हैं। वे खुद को एक निश्चित तरीके से पेश करने की कोशिश करते हैं, लेकिन वास्तविकता बहुत अलग हो सकती है और मैं, एक भाई के रूप में, किसी पर भी आंख बंद कर भरोसा नहीं कर सकता। शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव ने कहा था, मैं एक भाई होने के नाते हर किसी पर जांच करने का अपना कर्तव्य निभाऊंगा और मैं इसे ऐसे ही करता हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या लव, सोनाक्षी को लेकर पजेसिव हैं? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मैं पजेसिव नहीं हूं, मैं बस वही कहना पसंद करता हूं जो मैं मानता हूं। ये अलग बात है कि वो सुनती नहीं। वह जैसी है, वैसी ही है। वह सुनती नहीं है।

सलमान खान की सिकंदर में बाहुबली के कटप्पा की हुई इंट्री

सलमान खान ने अपनी आने वाली फिल्म सिकंदर की शूटिंग शुरू कर दी है। इसकी अनाउंसमेंट उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए की थी। सल्लू भाई के फोटो पोस्ट करते ही ये तेजी से वायरल हो गई। फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म ईद के मौके पर अगले साल रिलीज होगी।

अब खबर आ रही है कि अभिनेता सत्यराज और प्रतीक बब्बर भी इसकी स्टार कास्ट में शामिल हो गए हैं। इस फिल्म का निर्देशन एआर मुरुगादॉस कर रहे हैं और साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं। फिल्म की शूटिंग फिलहाल मुंबई में चल रही है। साजिद नाडियाडवाला की पत्नी वर्धा खान नाडियाडवाला सेट से कई तस्वीरें पोस्ट करके फैंस को लगातार इसकी अपडेट दे रही हैं। इसके अलावा साजिद नाडियावाला ने भी वही तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं।

फैंस को है ब्रेसब्री से इंतजार

नाडियाडवाला ग्रैंडसन ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा,सत्यराज सर आपका स्वागत करते हुए हमे बेहद खुशी हो रही है। आपको टीम सिकंदर में पाकर हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हमें प्रतीक बब्बर के साथ एक बार फिर कोलैबोरेट करके बहुत खुशी है। इस बात का हम बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि सभी लोग बड़े पर्दे पर सिनेमाई करिश्मे को अनुभव करेंगे।

फिल्म की कहानी को लेकर वैसे तो कोई खास जानकारी नहीं है लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो सिकंदरएक एक्शन-थ्रिलर फिल्म होगी, जिसमें सलमान खान एक दमदार किरदार में नजर आएंगे।

कौन है लीड एक्ट्रेस

सत्यराज इस फिल्म में विलेन की भूमिका निभा सकते हैं। सलमान खान के साथ इस फिल्म में रश्मिका मंदाना लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। बता दें कि सत्यराज ने पॉपुलर फिल्म बाहुबली फैंचाइजी में कटप्पा का किरदार निभाया था। सलमान खान को आखिरी बार फिल्म टाइगर 3 में देखा गया था।

क्रिस्टल और करण के बाद अब

निया शर्मा को ईडी का समन

मनी लॉन्ड्रिंग केस में खबर आई है कि ईडी ने हाल में क्रिस्टल डिसूजा और करण वाही को बुलाया गया। इस नए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कई मशहूर हस्तियों के नाम सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि फिलहाल इस केस में एक्ट्रेस क्रिस्टल और करण वाही को पूछताछ के लिए बुला लिया गया है। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो एक्ट्रेस निया शर्मा को समन भेजा गया है।

कहा जा रहा है कि क्रिस्टल और करण से आज यानी बुधवार, 3 जुलाई को पूछताछ की गई है। कथित तौर पर कहा जा रहा है कि करण, क्रिस्टल और निया के ऑक्टाएफएक्स ट्रेडिंग ऐप और ऑक्टाएफएक्स डॉट कॉम के जरिए अंतरराष्ट्रीय ब्रोकर्स की अवैध ऑनलाइन फॉरेक्स ट्रेडिंग में शामिल होने की आशंका है।

इसी मामले में अब ईडी इन तीनों कलाकारों से पूछताछ करने वाली है। इस केस में ईडी इसी साल अप्रैल में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसी जगहों पर तलाशी अभियान चला चुकी है। अब इसी मनी लॉन्ड्रिंग केस में एक्शन लेते हुए ईडी मशहूर सितारों का बयान दर्ज करवा रही है। वहीं, निया शर्मा, क्रिस्टल डिसूजा और करण वाही पर इस तरह की ऐप्स का प्रचार करने का आरोप लगा है। गौरतलब है कि निया, क्रिस्टल और करण वाही टीवी इंडस्ट्री के जाने माने कलाकार हैं। तीनों ने ही अपने अब तक के करियर में शानदार काम किया है। इन दिनों निया को लाफ्टर शेफ्स और सुहागन चुड़ैल जैसे टीवी शोज में देखा जा रहा है। वहीं, करण वाही को वेब सीरीज राय सिंघानिया वर्सिज राय सिंघानिया में दिखे थे, जबकि क्रिस्टल जल्द ही विस्फोट टाइटल से बन रही फिल्म में दिखेंगे।

अजब-गजब | यहां एक ही चूल्हे पर बनता है सबका खाना

एक साथ एक छत के नीचे रहते हैं एक ही परिवार के 52 सदस्य

कोरबा। आज का दौर न्यूक्लियर फैमिली का है। संयुक्त और बड़े परिवार अब कहीं नजर नहीं आते। लेकिन क्या किसी फैमिली में 52 सदस्य हो सकते हैं। ऐसा है कोरबा जिले के मदनपुर गांव में रहने वाला राठिया परिवार। यह परिवार एकता और पारिवारिक प्रेम की बेहद खूबसूरत मिसाल पेश करता है।

एक खूबसूरत तस्वीर कोरबा के मदनपुर गांव में रहने वाले राठिया परिवार की है। इसमें 1 साल के बच्चे से लेकर 85 साल के मुखिया सहित 52 लोग एक साथ एक ही घर में रहते हैं। बच्चों के चेहरे पर मुस्कान, देवरानी और जेठानी के बीच अटूट प्रेम और भाइयों की सोच से इस घर का आंगन खुशहाल है। बड़े भाई गणपत राम राठिया ने प्रेम की डोर मे सबको बांधकर रखा है। राठिया परिवार के सभी सदस्यों का खाना एक ही चूल्हे पर बनता है। देवरानी, जेठानी और नन्द सभी मिलकर घर की रसोई और परिवार संभालती हैं। भाई बहनों को दूसरे दोस्तों की जरूरत ही नहीं पड़ती। राठिया परिवार का घर चहल-पहल से भरा हुआ है। ये लोग आपस में ही हंसी ठिठोली कर सुकून और खुशी पाते हैं।

इससे परिवार में मजबूत बंधन और प्यारी यादें बनती हैं जो जीवन भर रहेंगी।

घर के मुखिया गणपत राम राठिया ने बताया उनका परिवार चार पीढ़ी से मिलकर साथ रह रहा है। अपनी आने वाले पीढ़ी को भी यही शिक्षा देते हैं कि सबके साथ मिलजुल कर रहना है। राठिया परिवार की कहानी पारिवारिक रिश्तों की ताकत और घर के भीतर संबंधों के महत्व की याद दिलाती है। चुनौतियों और मतभेदों का सामना करते हुए प्यार, एकता और एकजुटता का प्रदर्शन करके, राठिया परिवार पारिवारिक रिश्तों को सबसे ऊपर रखने के लिए प्रेरित करता है। ऐसी दुनिया में जहां परिवार टूट रहे हैं। रिश्तों की अक्सर परीक्षा होती है और तनाव होता है, राठिया परिवार इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि कैसे प्यार और एकता से सभी बाधाओं को पार किया जा सकता है। ये एकता लोगों को एक साथ ला सकती है और उन्हें अपनेपन और खुशी की भावना से भर सकती है।

सांप ने डंसा तो शख्स ने नागराज से ऐसे लिया बदला, जानकर कांप जाएगी रूह

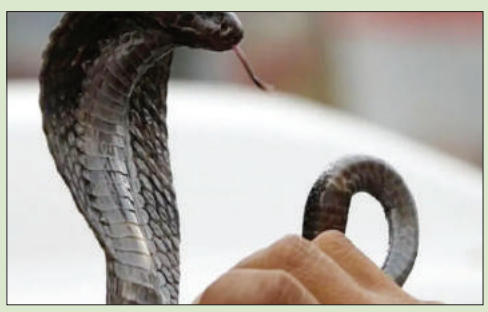

आपने सांपों की कई कहानियां सुनी होंगी, जिसमें सांप इंसानों से बदला लेते हैं। लेकिन क्या आपने ऐसा देखा और सुना है कि अगर कोई सांप किसी को डंस ले तो वह इंसान सांप से बदला दे। ऐसा ही कुछ हाल ही में बिहार में देखने को मिला। यहां एक सांप ने एक शख्स को डंस लिया। इसके बाद उस शख्स ने सांप से इस तरह से बदला लिया कि जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

मामला बिहार के नवादा का है। दरअसल, नवादा के रजौली थानाक्षेत्र के जंगली इलाके में रेलवे लाइन बिछाने का काम चल रहा है। मंगलवार को देर रात रेलवे लाइन पर काम कर रहे सभी मजदूर काम खत्म करने के बाद सोने के लिए अपने बेस कैंप में चले गए। इसी दौरान एक सांप ने झारखंड के लातेहार जिले के पाण्डुका निवासी संतोष लोहार को डंस लिया। सांप के डंसने के बाद संतोष ने उस सांप को पकड़ लिया और उसे तीन बार काटा। इससे सांप की मौत हो गई। सांप के डंसने के बाद संतोष को अस्पताल में भर्ती कराया गया। संतोष की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के बाद बेस कैंप में मौजूद अन्य मजदूरों के बीच यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, संतोष ने सांप को काटने के पीछे की वजह बताई। उसने बताया कि उसके गांव में एक टोटका प्रचलित है कि अगर कोई सांप काट ले तो उस सांप को तीन बार काट लेना चाहिए। इससे सांप का विष असर नहीं करता। इसी अंधविश्वास के चलते संतोष ने भी उस सांप को तीन बार काटा। इससे सांप की मौत हो गई। संतोष के साथियों का कहना है कि सांप जहरीला नहीं होगा। तभी संतोष की जान बच गई, नहीं तो कुछ भी अनहोनी हो सकती थी।

हिमाचल के सीएम को ताना देते हैं पीएम मोदी : पवन

» कांग्रेस नेता बोले- ओपीएस को लेकर सुक्खू से कहते हैं हिमाचल है अमीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया व पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि हिमाचल के हकों को लेकर जब प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह दिल्ली जाते हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें ओपीएस का ताना देकर कहते हैं कि हिमाचल अमीर है, क्योंकि यहां की सरकार ओपीएस के लिए बजट दे सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एक तरफ हिमाचल को अपना दूसरा घर कहते हैं, लेकिन आपदा में लापता हो गए। जब इस घर पर आपदा आई तो वह इसके हालत जानने के लिए यहां नहीं आए। यह ओपीएस हिमाचल का हक है और कर्मचारियों को दिया गया है। हर गारंटी को हिमाचल में कांग्रेस पूरा कर रही है।

आपदा में न फंड रिलीज किया और न पैकेज दिया गया। उन्होंने कहा हिमाचल में आज भी रेड हो रही है। सरकारी जांच एजेसियों की साख मोदी सरकार ने गिराई है। लोकसभा चुनावों में हार से भी मोदी सरकार ने सबक नहीं लिया है। विश्व के किसी भी देश में सरकारी एजेसियों का ऐसा दुरूपयोग नहीं हुआ होगा। सात दिन के लिए यह एजेंसी कांग्रेस को दें तो वह पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हो जाएंगे हालांकि कांग्रेस उन्हें नहीं लेगी।

खेड़ा की ओर से दाखिल निगरानी याचिका खारिज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता पर अशोभनीय टिप्पणी कर जानबूझकर अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी के नाम के साथ जोड़ने के मामले में सीजेएम कोर्ट द्वारा डिस्चार्ज अर्जी खारिज करने के आदेश के विरुद्ध कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा की ओर से दाखिल निगरानी याचिका को एमपी/एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश हरबंस नारायण ने खारिज कर दिया है। एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश हरबंश नारायण के समक्ष निगरानीकर्ता ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लखनऊ के 5 जनवरी 2024 के आदेश को चुनौती दी थी। जिसमें उन्होंने राज्य सरकार के अलावा भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष शंकर लाल शर्मा को पक्षकार बनाया था। विशेष अदालत ने अपने निर्णय में कहा है कि निगरानी कर्ता के विरुद्ध विभिन्न जिलों एवं राज्यों में जो प्रथम सूचनाए दर्ज हुई है उनसे संज्ञेय अपराध का होना पाया जाता है। इसके अलावा स्थानीय थाना हजरतगंज पुलिस द्वारा दायर आरोप पत्र को भी निगरानीकर्ता ने माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी थी। जिसमें उच्च न्यायालय ने किसी भी प्रकार से हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था तथा उसे आदेश दिया था कि वह निचली अदालत के समक्ष अपने तर्क प्रस्तुत करें।

एजेंसियों के दुरुपयोग से सरकार को गिराने का प्रयास

पवन खेड़ा ने कहा कि पीएम मोदी आखिर वह हिमाचल के लोगों की आंखों में आंखें मिलाकर वोट कैसे मांगते हैं। आपदा को कांग्रेस सरकार में हिमाचल में मजबूती से सामना किया। गुजरात से आई राजनीतिक आपदा का कांग्रेस ने मुकाबला किया है। हिमाचल ने केंद्र सरकार की ऐंठ निकाली है। हार में चुनावों के बाद पार्टी को हार स्वीकार कर आत्ममंथन करना चाहिए, लेकिन हिमाचल में भाजपा ने आत्मचिंतन के बजाए एजेंसियों का दुरूपयोग और धनबल से सरकार को गिराने के प्रयास किए गए।

नेता प्रतिपक्ष को अपने बीच पाकर गदगद हुए रेहड़ी-पटरी वाले

» दिल्ली में मजदूरों के बीच बैठे दिखे राहुल वीडियो हुआ वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अचानक जीटीबी नगर में रेहड़ी-पटरी वालों और दिहाड़ी मजदूरों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मजदूरों की समस्याएं सुनने के बाद उनके साथ काम भी किया। उन्होंने अचानक फावड़ा उठाकर सीमेंट मिलाया और दीवार की चिनाई भी की। उन्होंने राहुल गांधी लेबर चौक और एक निर्माण स्थल पर कुछ मजदूरों से बातचीत की। राहुल गांधी ने करीब एक घंटे तक रेहड़ी-पटरी वालों व मजदूरों से उनके जीवन की कठिनाइयों और रोजगार से जुड़ी समस्याओं को लेकर बात की। साथ ही मजदूरों को समस्याओं के समाधान का भी भरोसा दिलाया।

राहुल गांधी ने उनसे सामान लाने वाले स्थान और उसका उपयोग करने के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने दिनचर्या व घरों की स्थिति के बारे में मालूम किया। राहुल गांधी को अपने बीच देखकर ही नहीं, बल्कि राहुल गांधी के उनके साथ जमीन पर बैठकर बात व काम करने पर वह काफी खुश दिखे। उन्हें लगा कि आखिर उनकी कोई तो सुध लेने आया है। उन्होंने काफी उत्सुक होकर कांग्रेस नेता को अपनी परेशानियां बताईं।

मेहनती मजदूर हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ : राहुल

उधर, कांग्रेस ने राहुल गांधी की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कहा कि ये मेहनती मजदूर हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इनके जीवन को सरल और भविष्य को सुरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के दौरान अपने घोषणा पत्र में मजदूरों पर विशेष ध्यान देने का वादा किया था। राहुल गांधी कई माह पहले करोल बाग में अचानक मजदूरों, कामगारों से मिले थे। इस दौरान उन्होंने मैकेनिक के साथ काम किया था और उनसे बातचीत की थी।

नगर निगम में कर निर्धारण में नहीं रुक रहा घोटाला

» जोन-8 का है मामला
» कर्मचारी सरकारी खजाने को लगा रहे चूना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम में रोज घोटाले उजागर हो रहें है पर अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंक रही है। दरअसल, लखनऊ नगर निगम जोन 8 में चल रहा है कर निर्धारण घोटाले का खेल कई मामले उजागर होने के बावजूद भी जोन-8 के कर्मचारी हाउस टैक्स में घोटाले करने में मस्त है। वहीं नगर निगम में कर निर्धारण घोटाले को लेकर शासन ने जांच के आदेश दिए थे।

नगर निगम के पहले भी कई मामले उजागर हो चुके हैं लेकिन ऊपर बैठे आलाअधिकारी मामले को संज्ञान नहीं ले रहे हैं।

11,03301 बकाये की जगह 2,67349 रुपये कराये जमा

भवन स्वामी कुटुंब इन्फर्मेशन रियाल होम हाउस टैक्स 11,03301 बकाया था मगर नगर निगम ने 2,67349 में ही निपटा दिया। यह पूरा मामला खास्कि सेकेंड का बताया जा रहा है। अधिकारियों के साथ साठगांठ से कम धनराशि जमा कराकर सरकारी खजाने को चूना लगाने का काम किया जा रहा है।

शिक्षकों से रिश्वत ली तो होगी कार्रवाई: आतिशी

» शिक्षकों का सम्मान करती है सरकार
» मंत्री ने तबादले पर रोक लगाने के फिर दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के रातोंरात तबादले करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शिक्षा मंत्री आतिशी ने दिल्ली के मुख्य सचिव को दिल्ली सरकार के एक स्कूल में दस साल से ज्यादा समय से पढ़ा रहे शिक्षकों के अनिवार्य तबादले के आदेश पर तुरंत रोक लगाने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही पूरी तबादला प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की जांच करने और किसी अफसर के शिक्षकों से रिश्वत लेने में शामिल होने पर उस पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए कहा है। मालूम हो शिक्षा मंत्री द्वारा आदेश निरस्त करने के बावजूद शिक्षा निदेशालय द्वारा दो जुलाई देर रात को पांच हजार शिक्षकों का अनिवार्य तबादला ऑर्डर जारी कर दिया था। इस मामले को लेकर शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि 11 जून को दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी किया। इस आदेश में कहा गया कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में काम करने वाले वो शिक्षक जो एक ही स्कूल में 10 साल से ज्यादा समय से काम कर रहे हैं, उनका अनिवार्य तबादला होगा।

झूठे दावे कर रहीं मालीवाल : डीसीडब्ल्यू की सदस्य

डीसीडब्ल्यू की सदस्य फिर्दोस खान और किरण नेगी ने आरोप लगाया है कि नवंबर 2023 से डीसीडब्ल्यू की 700 से अधिक महिलाओं को वेतन नहीं मिला है। आरोप है कि दिल्ली महिला आयोग के चीफ पद से इस्तीफे के बाद स्वाति मालीवाल दिल्ली सरकार के खिलाफ आयोग को सुनियोजित ढंग से खत्म रने के झूठे दावे कर रही हैं। मालीवाल ने मंगलवार को अपने प्रमुख पद से इस्तीफे के बाद दिल्ली सरकार पर डीसीडब्ल्यू को व्यवस्थित रूप से खत्म करने का आरोप लगाया था। स्वाति मालीवाल ने एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने महिला आयोग से संबंधित चीजों का जिक्र किया था। वहीं, फिर्दोस खान और किरण नेगी ने इस पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि, डीसीडब्ल्यू की टीम द्वारा 2015 से विभिन्न कार्यक्रमों जैसे 181 महिला हेल्पलाइन, रेप क्राइसिस सेल, मोबाइल हेल्पलाइन, महिला पंचायत और अन्य कार्यक्रमों के तहत किए गए सभी कार्यों को आपके पत्र में सटीक रूप से दर्ज किया गया है।

पेरिस ओलंपिक में 120 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

» खिलाड़ियों की रवानगी से पहले पीएम मोदी ने की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों की रवानगी से पहले पीएम मोदी ने उनसे शुक्रवार को खास मुलाकात की और उन्हें विजय मंत्र दिया। भारत पेरिस ओलंपिक के लिए लगभग 120 खिलाड़ियों का दल भेज रहा है और उसे उम्मीद है कि इस बार वे तोक्यो ओलंपिक से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। भारत ने तोक्यो ओलंपिक में सात पदक जीते थे जिनमें नीरज चोपड़ा का भाला फेंक में जीता गया स्वर्ण पदक भी शामिल है।

पीएम मोदी ने नीरज चोपड़ा, मुक्केबाज निकहत जरीन और ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु से वर्चुअल बातचीत भी की। इसके अलावा उन्होंने ओलंपिक के लिए पहली बार जाने वालों को विजय-मंत्र दिया। पीएम ने कहा, आप ओलंपिक में जाने और जीतने के मूड में हैं और मैं आपके जीतने के बाद वापस आने पर आपका स्वागत करने के मूड में हूं। मेरी कोशिश है कि मैं खेल जगत से जुड़े हमारे देश के सितारों से मिलता रहूं, नई चीजें सीखता रहूं और उनके प्रयासों को समझता रहूं और सरकार के तौर पर अगर व्यवस्था में कुछ बदलाव की जरूरत है, कुछ प्रयासों को बढ़ाने की जरूरत है तो मैं इस दिशा में काम करता रहता हूं। मेरी कोशिश है कि सभी से सीधा संवाद हो।

पूरा विश्वास लहराएगा तिरंगा : मोदी

पीएम मोदी ने आगे कहा, हम खेलने जा रहे हैं, हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने जा रहे हैं। ओलंपिक भी सीखने का एक बहुत बड़ा क्षेत्र है... जो सीखने की प्रवृत्ति के साथ काम करता है, उसके लिए सीखने के अनेक अवसर हैं। जो शिकायत में जीना चाहते हैं, उनके लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है...हमारे जैसे देशों से लोग वहां जाते हैं, उन्हें अनेक कठिनाइयों और असुविधाओं का सामना करना पड़ता है, लेकिन उनके दिल में उनका देश और उनका तिरंगा झंडा होता है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार भी आप खेल के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करेंगे।

पुल गिरने पर जारी है सियासी वार-पलटवार

राजद ने जदयू-बीजेपी पर किया प्रहार, नीतीश सरकार बोली- जांच हो रही हैं पूर्व डिप्टी सीएम बोले- सुशासनी कुकृत्यों पर चुप्पी की चादर ओढ़ बने सदाचारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में पुलों के गिरने पर सियासत जारी है। नीतीश सरकार के मंत्री राजद पर आरोप लगा रह हैं तो राजद जदयू-बीजेपी पर हमलावर है। हालांकि दो दिन के अंदर सारण और सीवान एक-एक कर छह पुल ढहने के मामले को बिहार सरकार ने गंभीरता से लिया है। जल संसाधन विभाग की ओर से कहा गया है कि तीन और चार जुलाई को सीवान और सारण में छाड़ी और गंडक नदी में छह पुल-पुलिया ध्वस्त हो गए।

सीएम नीतीश कुमार के निर्देश पर गोपालगंज, सिवान एवं सारण जिलों से प्रवाहित होने वाले छाड़ी व गंडकी नदी के प्रवाह को अविरल बनाने के साथ-साथ नदी जोड़ योजना एवं जल-जीवन-हरियाली अभियान के संयुक्त उद्देश्य से जल संसाधन विभाग के द्वारा गंडक अकाली नाला (छाड़ी)-गंडकी-माही-गंगा नदी जोड़ योजना का कार्यान्वयन कराया जा रहा है। गंडक नदी के अधिशेष जल को छाड़ी नदी, गंडकी नदी, माही (डबरा) नदी के माध्यम से गंगा नदी में प्रवाहित किया जाना है।

कार्यकारी संवेदक की लापरवाही से हो रहे हादसे

जल संसाधन विभाग की ओर से कहा गया है कि इस मामले में कार्यकारी संवेदक के स्तर से भी लापरवाही बरती गयी। यह भी प्रतीत होता है कि संरचनाओं के समीप तकनीकी रूप से संतुष्ट होने के उपरान्त ही खुदाई कार्य किया जाना चाहिए था, जो नहीं किया गया। इसके लिए संबंधित अभियंता प्रथम दृष्टया जवाबदेह है। इन पुल पुलियों के क्षतिग्रस्त होने के मामले को गंभीरता से लिया गया है तथा इसकी जांच का आदेश उड़नदस्ता संगठन को दिया गया है। उड़नदस्ता दल स्थल पर पहुंच चुका है तथा उनके द्वारा जांच की जा रही है।

राजद का 28वां स्थापना दिवस आज, लालू देंगे गुरुमंत्र

राष्ट्रीय जनता दल का 28वां स्थापना दिवस शुक्रवार को मनाया जाएगा। वीर चंद पटेल पथ स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में पार्टी के राष्ट्रीय और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद के साथ ही बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत अन्य नेता कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह करेंगे। पार्टी प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि राजद का स्थापना दिवस प्रत्येक वर्ष पांच जुलाई को आयोजित किया जाता है। इसी दिन 1997 में राजद की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में पटना के अलावा वैशाली, जहानाबाद, अरवल, भोजपुर के पार्टी नेता और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। जबकि अन्य जिलों में पार्टी नेता-कार्यकर्ता अपने स्तर पर स्थापना दिवस आयोजित करेंगे। स्थापना दिवस समारोह के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को पार्टी की नीतियों और सिद्धांत की जानकारी देंगे। साथ ही उनका आह्वान किया जाएगा कि पार्टी जिस उद्देश्य को पूरा करने के लिए की गई थी उसके अनुरूप आचरण करें और लोगों के बीच जाकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराएं उन्हें केंद्र सरकार की आत्मघाती नीतियों से अवगत कराएं।

पीएम व सीएम क्यों खामोश हैं : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने लिखा कि 4 जुलाई यानि सुबह बिहार में एक पुल और गिरा। 3 जुलाई को ही अकेले 5 पुल गिरे। 18 जून से लेकर अभी तक 12 पुल ध्वस्त हो चुके है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन उपलब्धियों पर एकदम खामोश एवं निरुत्तर है। सोच रहे है कि इस मंगलकारी भ्रष्टाचार को जंगलराज में कैसे परिवर्तित करें? सदैव भ्रष्टाचार, नैतिकता, सुशासन, जंगलराज, गुड गवर्नेंस इत्यादि पर राग अलपा दूसरों में गुण दोष के खोजकर्ता, कथित उच्च समझ के उच्च कार्यकर्ता, उन्नत कोटि के उत्कृष्ट पत्रकार सह पक्षकार तथा उत्तम विचार के श्रेष्ठ लोग अंतरात्मा का गला घोंट इन सुशासनी कुकृत्यों पर चुप्पी की चादर ओढ़ सदाचारी बन चुके है।

छत्तीसगढ़ में कुएं में एक शख्स को निकालने उतरे पांच लोगों की मौत

जांजगीर चांपा में दर्दनाक हादसा, गैस रिसाव से गई जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा में दर्दनाक हादसा सामने आया है। इसके बाद बाद गांव में मातम छा गया है। गांव के ही एक कुएं में गिरे एक शख्स को निकालने के लिए उतरे पांच लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कुएं से किसी जहरीली गैस का रिसाव हुआ, जिसके बाद उनकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, राजेंद्र जायसवाल कुएं में गिरी लकड़ी निकालने गया। तभी गैस रिसाव होने लगी, उसे बचाने पडोस के रमेश पटेल आया। उसका भी दम घुटने लगा। फिर उसे बचाने उसके दोनों बेटे राजेंद्र, जितेंद्र भी कुएं अंदर चले गए। उसके बाद पडोसी टिकेश चंद्रा उन्हें बचाने कुएं में उतरे। बताया जा रहा है कि टिकेश चंद्रा की तीन महीने पहले की शादी हुई थी। दम घुटने से सभी की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एसडीओपी यदुमणी सिदार ने बताया की आज घटना सुबह 7.30 बजे की है। पति राजेंद्र जायसवाल को कुएं में गिरने के बाद पत्नी ने बचाने के लिए आसपास के लोगों को बुलाया। जहां एक एक कर कुएं में कई लोग उतरे, गैस रिसाव से उनकी मौत हो गई।

राष्ट्रपति ने किया संसद के दोनों सदनों का सत्रावसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र के बाद दो जुलाई को संसद के निचले सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। राज्यसभा का 264वां सत्र तीन जुलाई को स्थगित कर दिया गया था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई सरकार के गठन के बाद पहले सत्र के संपन्न होने पर संसद के दोनों सदनों का बृहस्पतिवार को सत्रावसान कर दिया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि राष्ट्रपति ने संसदीय मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की सिफारिश पर संसद के दोनों सदनों का सत्रावसान कर दिया।

प्रदेश में वर्षा से जन-जीवन अस्त-व्यस्त

राजधानी के आसपास के नौ जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी है। बीते 24 घंटे में कई शहरों में अच्छी बरसात हुई है। मौसम विभाग ने बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और आसपास के इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

मौसम विभाग ने बताया कि प्रदेश में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश हो रही है। चूंकि मानसून टर्फ इस वक्त दक्षिण में अपनी सामान्य स्थिति की ओर खिसका है इससे अगले चार-पांच दिन तक तेज बारिश हो सकती है। इससे तापमान में गिरावट आएगी, लेकिन नमी के कारण उमस रहने के आसार हैं। आगरा (20 मिमी), अलीगढ़ (21 मिमी), बलिया (88 मिमी), गोरखपुर (39 मिमी), हरदोई (100 मिमी), कानपुर (44.2), मैनपुरी (58.5), मुरादाबाद (39), शाहजहांपुर (45), वाराणसी (76 मिमी)। इन शहरों में बृहस्पतिवार की सुबह 8.30 बजे तक इतनी भारी बरसात रिकार्ड हुई।

मुरादाबाद में भरभराकर गिरी मकान की छत, मलबे में दबने से भाई-बहन की मौत

मुरादाबाद सुबह से ही तेज बारिश जारी है। इससे पूरे इलाके में जलभराव हो गया है। बिलारी में बारिश के बीच मकान की छत गिर गई। इसके मलबे में दबकर भाई-बहन की जान चली गई। सोनकपुर क्षेत्र के भिड़वारी गांव में शुक्रवार सुबह यह हादसा हुआ।

केजरीवाल मामले में हाईकोर्ट ने सीबीआई को भेजी नोटिस

अगली सुनवाई 17 जुलाई को, केजरीवाल के जमानत आदेश पर रोक लगाने पर उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आबकारी घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शुक्रवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद जमानत याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया। मामले पर अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी। बताया गया कि इसी तारीख पर सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी और इसके बाद जारी रिमांड आदेश को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई होगी।

केजरीवाल की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है, जहां यहां ट्रिपल टेस्ट का दूर-दूर तक आरोप लगाया गया हो। इस मामले में चार लोगों को जमानत मिल चुकी है। केजरीवाल को दो साल बाद गिरफ्तार किया गया है।

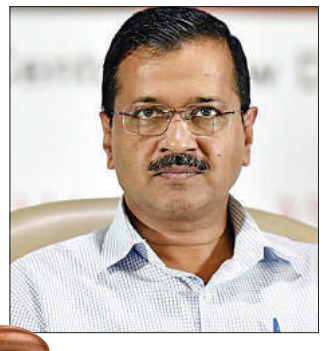

ईडी मामले में ट्रायल कोर्ट से जमानत मिलने के बाद गिरफ्तारी ठीक नहीं : सिंघवी

सिंघवी ने तर्क दिया कि केजरीवाल को ईडी मामले में ट्रायल कोर्ट से जमानत मिल गई है और इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। केजरीवाल कोई घोषित अपराधी या आतंकवादी नहीं हैं। केजरीवाल सिर्फ कुछ अंतरिम राहत की मांग कर रहे हैं। वहीं सीबीआई की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता डीपी सिंह ने कहा कि केजरीवाल ने गिरफ्तारी को चुनौती दी है और यह पहले से ही एक अन्य पीठ के समक्ष लंबित है। जमानत के लिए पहली अदालत ट्रायल कोर्ट होनी चाहिए थी।

केजरीवाल के समर्थन में उतरे 150 से अधिक वकील

दिल्ली के विभिन्न वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा आबकारी घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की नियमित जमानत पर रोक लगाने पर चिंता व्यक्त की। अधिवक्ताओं का यह भी कहना है कि जज ईडी और सीबीआई मामलों में जमानतों का अंतिम रूप से निपटारा नहीं कर रहे हैं और लंबी तारीखें दे रहे हैं। यह पत्र 150 से अधिक वकीलों द्वारा लिखा गया है। अधिवक्ताओं का कहना है कि दिल्ली हाईकोर्ट और जिला अदालतों में प्रैक्टिस करने वाले विभिन्न वकील अपनी चिंताओं और शिकायतों के साथ उनके पास पहुंचे हैं। उन्होंने ट्रायल कोर्ट के आदेश अपलोड होने से पहले ही ईडी के उल्लेख पर दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा केजरीवाल के जमानत आदेश पर रोक लगाने पर सवाल उठाया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।